भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं0 234*

22 दिसंबर, 2022 को उत्तर के लिए

कोचीन स्मार्ट सिटी परियोजना

***234. श्री हैबी ईडन:**

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का सभी कोचीन स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में बच्चों के अनुकूल सुविधाओं को शामिल करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में लिए गए निर्णयों, परियोजना सूची, अनुमानित निधियों और चुनौतियों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस परियोजना के अंतर्गत प्रमुख सड़कों के फुटपाथों पर बच्चों के लिए विश्राम स्थलों (रेस्टिंग प्लेस) का निर्माण किया जाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य मंत्री

(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

कोचीन स्मार्ट सिटी परियोजना के संबंध 22.12.2022 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं0 *234 (14वां स्थान) के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ग): भारत सरकार ने 25 जून 2015 को स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) आरंभ किया। जनवरी 2016 से जून 2018 तक प्रतियोगिता के 4 दौर के माध्यम से कोच्चि सहित 100 स्मार्ट शहरों का चयन किया गया है।

कोच्चि स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं को कोचीन स्मार्ट मिशन लिमिटेड (सीएसएमएल) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है, जो एक विशेष उद्देश्य के लिए बनाया गया विशेष प्रयोजन तंत्र (एसपीवी) है। सीएसएमएल का उद्देश्य शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सुस्थिर और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर प्राथमिक रूप से ध्यान देने के साथ शहर के मुख्य अवसंरचना को बढ़ाना है, जिससे छोटे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों के अतिरिक्त और भी लोग लाभान्वित होंगे।

नर्चरिंग नेबरहुड्स चैलेंज आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की 3 वर्ष पुरानी पहल है, जिसका उद्देश्य शहरों को आस-पास के परिवेश के सुधार हेतु उन्हें छोटे बच्चों के नज़रिये से देखने में सक्षम बनाना है जो छोटे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देता है। चुनौती के तहत क्षमता निर्माण कार्यों को लागू करने के लिए शुरू में 25 शहरों के एक समूह का चयन किया गया था, जिनमें से 10 शहरों अर्थात् बेंगलुरु, हुबली-धारवाड़, इंदौर, जबलपुर, कोच्चि, काकीनाडा, कोहिमा, राउरकेला, वडोदरा और वारंगल को अंत में विजेता घोषित किया गया।

सीएसएमएल नर्चरिंग नेबरहुड्स चैलेंज से प्रेरित होकर अपनी विभिन्न परियोजनाओं को छोटे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों के नज़रिये से देख रहा है जैसे छोटे बच्चों के विकास (ईसीडी) संबंधी सुविधाओं में बाहर खेलने के स्थान का विकास, छोटे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों की आवश्यकताओं के अनुरूप मौजूदा पार्कों और सार्वजनिक खुले स्थान को बढ़ाना।

सीएसएमएल ने कोच्चि नगर निगम (केएमसी) के साथ, कोच्चि में छोटे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों के अनुकूल परियोजनाओं को बढ़ाने में सहायता करने के लिए डब्ल्यूआरआई इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इस प्रकार की परियोजनाओं को तैयार करने और लागू करने के लिए नर्चरिंग नेबरहुड सेल का गठन किया गया है जिसके सदस्य सीएसएमएल और केएमसी से हैं। यह सेल चल रही सभी पहलों की

समीक्षा करता है, अंतर-विभागीय समन्वय की सुविधा देता है, संबंधित डेटा का संग्रह करता है, और उन परियोजनाओं का नियमित मूल्यांकन और निगरानी सुनिश्चित करता है। कोच्चि स्मार्ट सिटी में छोटे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों के लिए लाभकारी परियोजनाओं, जो या पूर्ण की जा चुकी हैं या चल रही हैं, का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(करोड़ रू. में)

क्र.सं०	**परियोजना**	**परियोजना लागत**	**परियोजना की स्थिति**
1.	एर्नाकुलम एबीडी में स्मार्ट सड़कों का विकास	61.53	पूर्ण
2.	डीएच ग्राउंड से मंगलवनम को जोड़ने वाला ओपन स्पेस कॉरिडोर	7.84	
3.	पश्चिम कोच्चि में खुले स्थानों, खेल के मैदानों और स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय का विकास	4.23	
कुल		73.60	
4.	एर्नाकुलम क्षेत्र पैकेज-4 में पार्कों और खुले स्थानों का विकास	4.84	कार्य प्रगति पर
5.	एससीएम, कोच्चि के तहत पश्चिम कोच्चि में आंगनवाड़ी का उन्नयन	2.18	
6.	एससीएम, कोच्चि के तहत एर्नाकुलम एबीडी क्षेत्र में पूवथ रोड और दरबार हॉल ग्राउंड का स्थान-निर्माण और सौंदर्यीकरण	1.40	
कुल		8.42	

कोच्चि स्मार्ट सिटी ऐसी परियोजनाओं के लिए मजबूत परिचालन मॉडल तैयार कर रही है और छोटे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शहर स्तर की नीतियां बनाने का प्रयास कर रही है। यह ऐसे मुद्दों का समाधान करने हेतु संबंधित हितधारकों की क्षमता बढ़ाने के लिए भी कार्य कर रही है।

'एर्नाकुलम और पश्चिम कोच्चि क्षेत्र में स्मार्ट सड़कों के विकास' के भाग के रूप में, पैदल चलने वालों की आवाजाही को बाधित किए बिना, अलग-अलग ऊंचाई पर बैठने की जगह देकर सभी फुटपाथों को बच्चों के अनुकूल बनाया जा रहा है। गांधी स्क्वायर के साथ मरीन ड्राइव पर, जहां भी संभव हो, पैदल मार्ग पर 100% रिसाइकिल प्लास्टिक से बने इन बेंचों को स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, सीएसएमएल संपूर्ण शहर में बच्चों के अनुकूल स्ट्रीट फ़र्नीचर स्थापित कर रहा है।

***